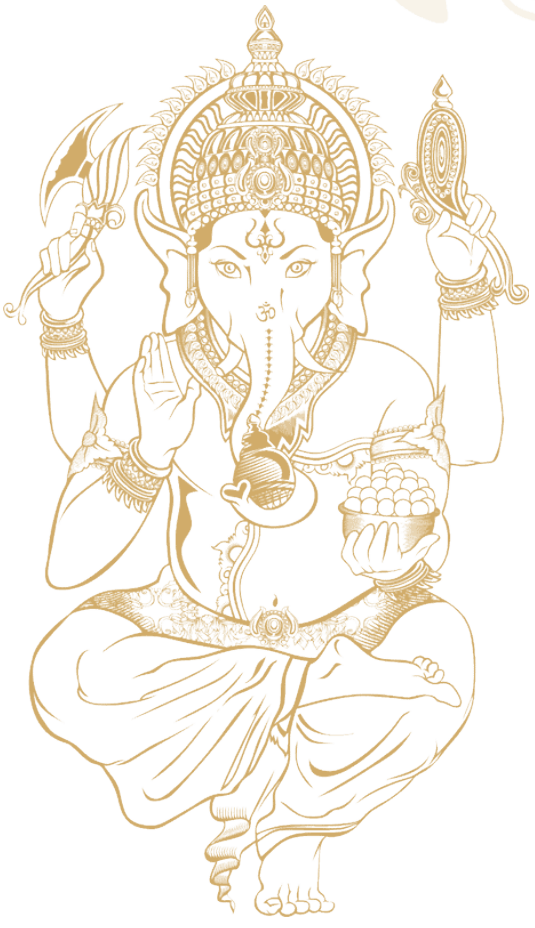

Mr.dipak pal

23 May 1997

01:15 AM

Rajkot

Model: web-freekundliweb

Order No: 121056402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22-23/05/1997**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:15:00 घंटे**
इष्ट	47:56:25 घटी
स्थान	**Rajkot**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	22:18:00 उत्तर
रेखांश	70:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:46:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:28:32 घंटे
वेलान्तर	00:03:22 घंटे
साम्पातिक काल	16:30:25 घंटे
सूर्योदय	06:04:25 घंटे
सूर्यास्त	19:22:05 घंटे
दिनमान	13:17:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	07:55:14 वृष
लग्न के अंश	07:06:10 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	07:06:10	450:41:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
सूर्य			वृष	07:55:14	00:57:39	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	13:22:11	13:26:44	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल			सिंह	26:24:21	00:15:37	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध			मेष	12:46:45	00:57:04	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			मक	27:35:47	00:03:25	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			वृष	21:02:39	01:13:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			मीन	22:37:23	00:06:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	02:44:29	00:10:39	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	02:44:29	00:10:39	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	14:48:56	00:00:28	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	06:01:20	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:28:56	00:01:39	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			वृश्चि	15:28:18	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:12

लग्न-चलित

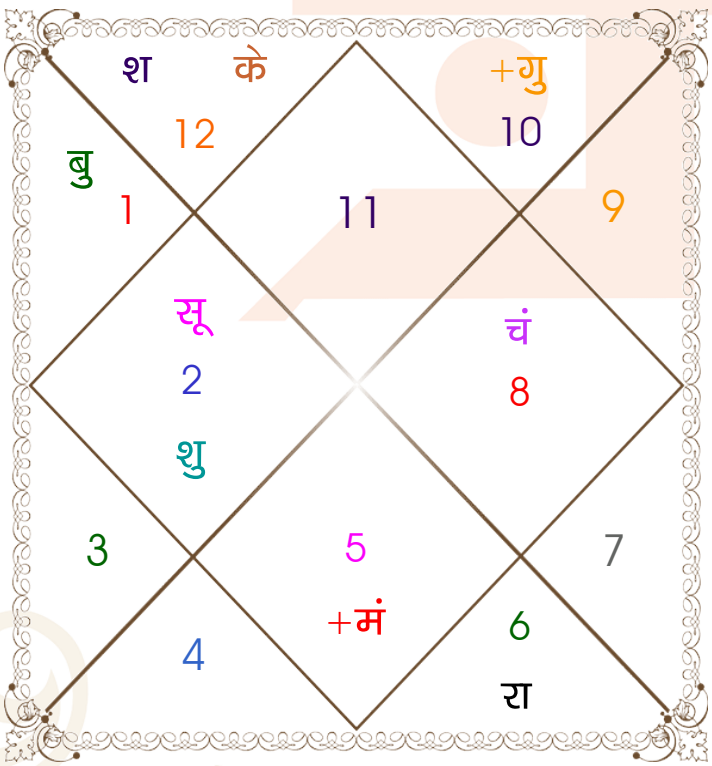

चन्द्र कुंडली

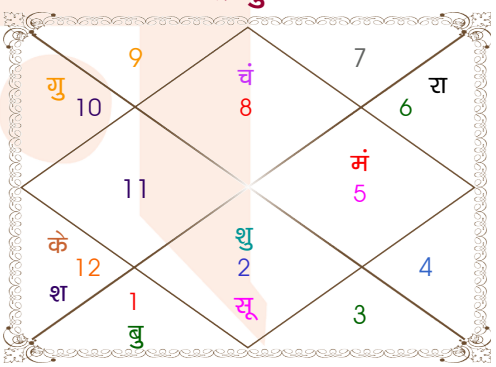

नवमांश कुंडली

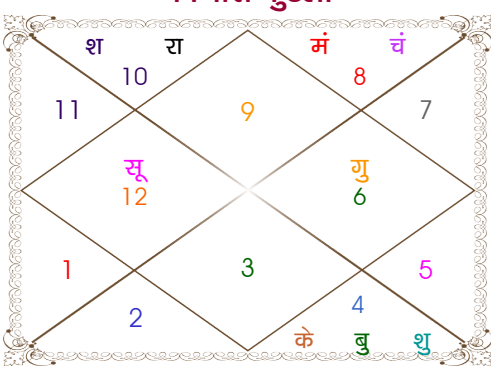

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 8 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
23/05/1997		02/02/2002		02/02/2019		02/02/2026		02/02/2046	
02/02/2002		02/02/2019		02/02/2026		02/02/2046		02/02/2052	
	00/00/0000	बुध	30/06/2004	केतु	01/07/2019	शुक्र	03/06/2029	सूर्य	22/05/2046
	00/00/0000	केतु	27/06/2005	शुक्र	30/08/2020	सूर्य	03/06/2030	चंद्र	21/11/2046
	00/00/0000	शुक्र	27/04/2008	सूर्य	05/01/2021	चंद्र	02/02/2032	मंगल	29/03/2047
	00/00/0000	सूर्य	04/03/2009	चंद्र	06/08/2021	मंगल	03/04/2033	राहु	20/02/2048
	00/00/0000	चंद्र	03/08/2010	मंगल	02/01/2022	राहु	03/04/2036	गुरु	09/12/2048
	00/00/0000	मंगल	31/07/2011	राहु	21/01/2023	गुरु	03/12/2038	शनि	20/11/2049
	23/05/1997	राहु	17/02/2014	गुरु	28/12/2023	शनि	02/02/2042	बुध	27/09/2050
राहु	22/07/1999	गुरु	25/05/2016	शनि	04/02/2025	बुध	02/12/2044	केतु	02/02/2051
गुरु	02/02/2002	शनि	02/02/2019	बुध	02/02/2026	केतु	02/02/2046	शुक्र	02/02/2052

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/02/2052		02/02/2062		01/02/2069		02/02/2087		03/02/2103	
02/02/2062		01/02/2069		02/02/2087		03/02/2103		00/00/0000	
चंद्र	02/12/2052	मंगल	01/07/2062	राहु	15/10/2071	गुरु	22/03/2089	शनि	06/02/2106
मंगल	03/07/2053	राहु	19/07/2063	गुरु	10/03/2074	शनि	03/10/2091	बुध	16/10/2108
राहु	02/01/2055	गुरु	24/06/2064	शनि	14/01/2077	बुध	08/01/2094	केतु	25/11/2109
गुरु	03/05/2056	शनि	03/08/2065	बुध	03/08/2079	केतु	15/12/2094	शुक्र	24/01/2113
शनि	03/12/2057	बुध	31/07/2066	केतु	21/08/2080	शुक्र	15/08/2097	सूर्य	06/01/2114
बुध	04/05/2059	केतु	27/12/2066	शुक्र	22/08/2083	सूर्य	03/06/2098	चंद्र	07/08/2115
केतु	03/12/2059	शुक्र	26/02/2068	सूर्य	15/07/2084	चंद्र	03/10/2099	मंगल	15/09/2116
शुक्र	03/08/2061	सूर्य	03/07/2068	चंद्र	14/01/2086	मंगल	09/09/2100	राहु	24/05/2117
सूर्य	02/02/2062	चंद्र	01/02/2069	मंगल	02/02/2087	राहु	03/02/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 7 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के प्रथम चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ज्योतिषीय समन्वित आकृति से यह दृश्य हो रहा है कि आप ईश्वरीय प्रबंधन के अनुसार धन एवं प्रसन्नता युक्त जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप अकर्मण्य नहीं है। लेकिन आप जीवन के सभी कार्य पूर्ण तत्परता के साथ संपादित करेंगे।

आप विद्वान एवं अधिकार युक्त स्वच्छंद विचार से जीवन व्यतीत करेंगे। आप निश्चित रूप से अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम एवं समर्पित भाव से कार्य सिद्धि का निष्पादन करेंगे। आप श्रेष्टतम कार्य शक्ति का समुचित व्यवहार करेंगे तथा सर्वोच्च शिखर पर पहुंच जाएंगे।

यद्यपि आप वार्तालाप के क्रम में अप्रियता का प्रदर्शन करते हैं। बल्कि आप एक ईमानदार एवं विश्वसनीय प्राणी हैं तथा दूसरों को कष्ट नहीं पहुंचाते। परंतु यदि कोई आपको उतेजित कर देता हैं तो अपनी क्षमता के अनुरूप पीछे मुड़ कर उस पर आश्चर्यजनक शक्ति से प्रहार कर उसे पराजित कर देते हैं। आप मात्र अलग से आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं हैं। आप अपनी शक्ति एवं प्रभाव के अनुसार प्रभावशाली स्तर के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक आयु से युक्त अर्थात् दीर्घजीवी हैं। जब आप 28 वर्ष की आयु के हो जाएंगे तब आप अच्छी प्रकार अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे।

आप मध्यस्थता कराने वाले स्वभाव के प्राणी हैं। आप एकांत प्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे। आप भगवान के भक्त एवं धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप धर्म दर्शन का दिखावा के लिए रूचिवान एवं पराविज्ञान के प्रति उत्साही व्यक्ति है। इसलिए आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसायों में खगोलीय कार्य, ज्योतिषीय कार्य, पराविज्ञान सांख्यिकी की कार्य एवं वायु यात्रा से संबंधित व्यवसायों की पेशा अनुकूल है।

बहुत दिनों तक आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु आपकी वृद्धावस्था में कुछ रोगो के दुष्प्रभाव से हृदय संबंधी दिक्कतें, रक्तचाप एवं कफ खांसी, जुकाम एवं जोड़ों के दर्द, गठिया, वायु रोगादि से आक्रांत हो सकते हैं। आप अपने कार्यकलाप के प्रति सतर्क रहें। क्योंकि कभी भी ऐसी घटना यथा साधारण दुर्घटना, कोई चोट-मोच अथवा अकस्मिक रूप से अंगो का कट जाना संभाव्य है। आप एक उत्तम प्रकार के सुखों से युक्त घर परिवार के स्वामी होंगे। आप अपनी जरूरत के अनुरूप जीवन-यापन के रास्ते बना लेंगे। आप भाग्यशाली तथा बुद्धिमती पत्नी के पति एवं प्रिय संतानों के पिता होंगे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का परित्याग करना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा

प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीला रंग से परहेज करें। क्योंकि ये रंग आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल हैं। परंतु रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग आपके लिए लाभदायक है।